ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-नवम्   विषय- हिन्दी

दिनांक—11/07/2020   **समास(पुनरावृत्ति)**

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

एन सी इ आर टी पर आधारित

समास के भेद-

समास के निम्नलिखित छह भेद होते हैं-

1. तत्पुरुष समास

2. कर्मधारय समास
3. द्विगु समास
4. द्वंद्व समास
5. बहुव्रीहि समास
6. अव्ययीभाव समास

1.तत्पुरुष समास

जिस समास में पूर्व पद गौण और उत्तर पद प्रधान होता है, वह तत्पुरुष समास कहलाता है। जैसे-

समस्त पद		विग्रह
गंगाजल	=	गंगा का जल
गगनचुंबी	=	गगन को चूमने वाला
जन्मान्ध	=	जन्म से अंधा
राहखर्च	=	राह के लिए खर्च

तत्पुरुष समास में कारक के परसर्गों (कर्ता व संबोधन कारक के परसर्गों को छोड़कर) का लोप होता है। इस आधार पर तत्पुरुष समास के छह भेद हैं-

(I) <u>प्रथमा तत्पुरुष समास(कर्म तत्पुरुष समास)-</u>

इसमें कर्म कारक के परसर्ग (को) का लोप होता है; जैसे-

ग्रामगत- ग्राम को गत

यशप्राप्त- यश को प्राप्त

स्वर्गप्राप्त- स्वर्ग को प्राप्त

गगनचुंबी- गगन को चूमने वाला

गिरहकट - गिरह को काटने वाला

क्रमशः

छात्र कार्य-:

- प्रस्तुत पाठ्य सामग्री को कॉपी में लिखें।
- समास याद करें।
- समास के भेद याद करें।

धन्यवाद

कुमारी पिंकी “कुसुम”